23 अगस्त 2025 राष्ट्रीय अन्तरिक्ष दिवस

23 अगस्त 2023 से आरंभ

चाँद-मंगल से और आगे भारत....

प्रारम्भ – 23 अगस्त 2024

पृष्ठभूमि - यह 23 अगस्त 2023 को **चंद्रयान-3** मिशन की चंद्र सतह पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग को चिह्नित करने हेतु मनाया जाता है ।

क्रम – द्वितीय

2025 का विषय- "आर्यभट्ट से गगनयान: प्राचीन ज्ञान से अनंत संभावनाओं तक"

उपलब्धि –

वर्ष 2023 में चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण के साथ भारत चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरने वाला चौथा देश बन गया और इसके दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र तक पहुँचने वाला पहला देश बन गया।

उद्देश्य – भविष्य की पीढ़ियों

को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) में कॅरियर बनाने के लिये प्रेरित करना है, जो भारत के चल रहे अंतरिक्ष प्रयासों में योगदान देगा ।

चंद्रयान-3 मिशन

लॉन्च – 14 जुलाई 2023

स्थान – सतीश धवन अन्तरिक्ष केंद्र

लैंड तिथि – 23 अगस्त 2025

उद्देश्य – इंटरप्लेनेटरी मिशनों के लिये आवश्यक नई प्रोद्योगिकियों को विकसित करना और प्रदर्शित करना ।

घटक – प्रणोदन मॉड्यूल – लैंडर और रोवर को 100 किमी. चंद्रमा के ऑर्बिटर तक ले जाना

लैंडर – सॉफ्ट लैंडिंग करने और रोवर को तैनात करने की क्षमता

रोवर – चंद्रमा पर घूमकर अन्वेषण करना ।

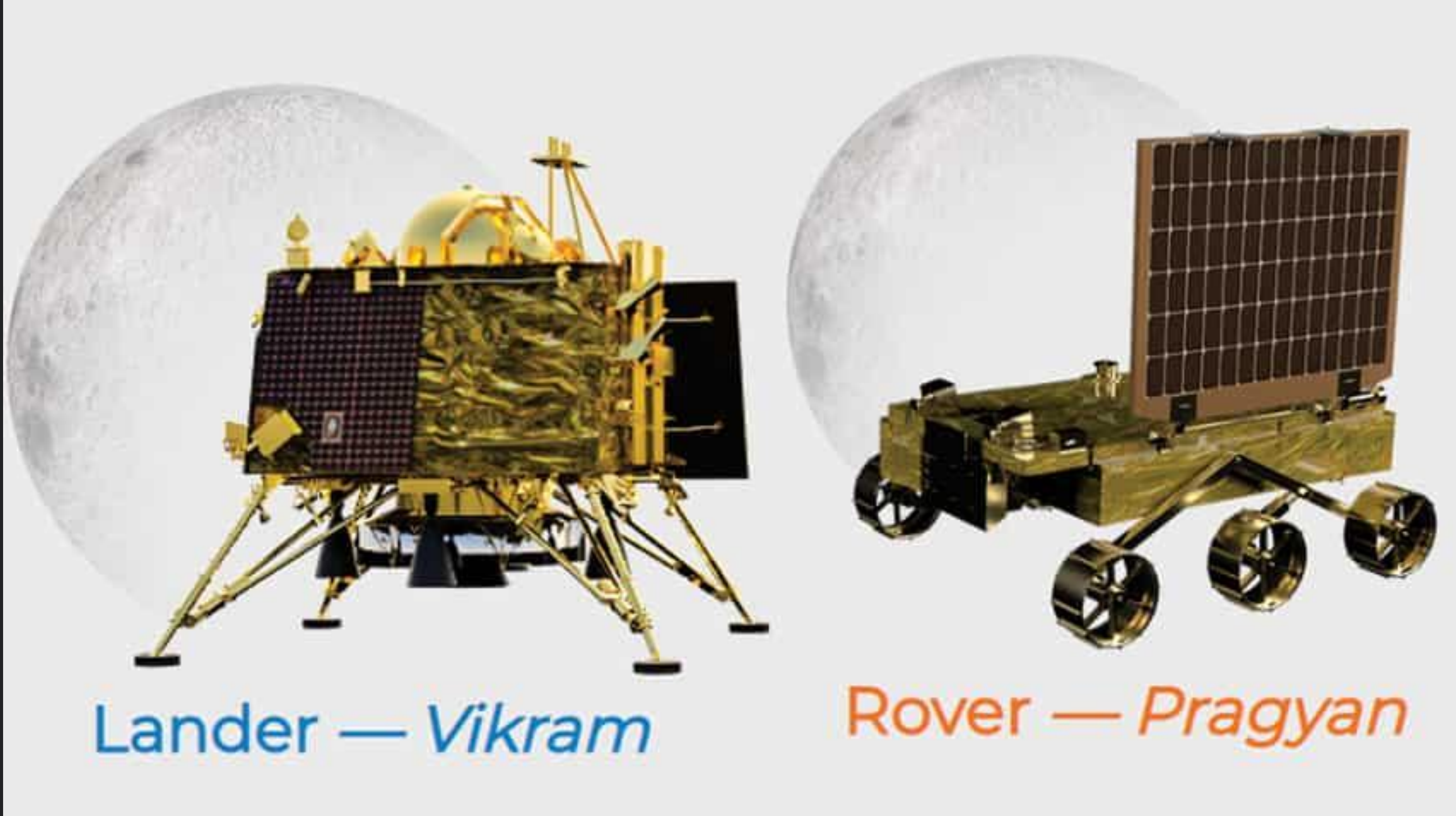

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला –
एक्सिओम-4 मिशन
के साथ अन्तरिक्ष में जाने
वाले राकेश शर्मा के बाद
दूसरे व अंतर्राष्ट्रीय स्पेस
सेंटर में कदम रखने वाले
पहले भारतीय बने हैं ।

आगे के लक्ष्य

2028 – भारतीय अन्तरिक्ष स्टेशन का प्रथम मॉड्यूल लॉन्च होगा ।

2035 – भारतीय अन्तरिक्ष स्टेशन की पूर्ण स्थापना ।

2040 – भारतीय अन्तरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा के सतह पर लैंड कराना ।

2033 - तक भारत की अन्तरिक्ष अर्थव्यवस्था वर्तमान 8.4 अरब डॉलर से बढ़कर 44 अरब डॉलर होने का अनुमान है ।

गगनयान

भारत का पहला पूर्ण स्वदेशी मानवयुक्त अन्तरिक्ष मिशन

बजट – 20,193 करोड़ रुपये। इसके तहत भारतीय अन्तरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजा जाएगा।

इस मिशन के लिए 4 अन्तरिक्ष यात्रियों का चयन किया गया है –

ग्रुप कैप्टन पीबी नायर, ग्रुप कैप्टन अजित कृष्णन, ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप, ग्रुप कैप्टन-शुभांशु शुक्ला

हाल ही के कुछ प्रमुख मिशन

- **आदित्य-L1 मिशन-**

आदित्य-L1 मिशन 1.5 मिलियन किलोमीटर की दूरी से सूर्य का अध्ययन करने वाला पहला अंतरिक्ष आधारित वेधशाला श्रेणी का भारतीय सौर मिशन है।

पृथ्वी- सूर्य लैग्रेंज बिंदु, L1 से सूर्य का अध्ययन करता है।

गगनयान TV-D1 परीक्षण-

ISRO ने गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के लिये संशोधित L- 40 विकास इंजन का प्रयोग कर अपने फ्लाइट टेस्ट व्हीकल एबॉर्ट मिशन-1 (TV-D1) का संचालन किया।

इस परीक्षण ने क्रू एस्केप सिस्टम (CES) क्षमताओं का प्रदर्शन किया, जिसमें परीक्षण वाहन से पृथक् होना, क्रू मॉड्यूल सुरक्षा और बंगाल की खाड़ी में स्प्लैशडाउन से पूर्व मंदन शामिल है। मॉड्यूल को भारतीय नौसेना के पोत INS शक्ति द्वारा रिकवर किया गया था।

XPoSat -

1 जनवरी 2024 को ISRO ने अंतरिक्ष में विकिरण ध्रुवीकरण का अध्ययन करने के उद्देश्य से X-रे पोलरिमीटर सैटेलाइट (XPoSat) लॉन्च किया।

यह NASA द्वारा वर्ष 2021 में प्रक्षेपित इमेजिंग एक्स-रे पोलारिमेट्री एक्सप्लोरर (IPEX) के बाद इसी तरह का दूसरा अंतरिक्ष-आधारित उपग्रह है।

RLV-TD प्रयोग-

ISRO ने मार्च और जून 2024 में कर्नाटक के अपने एयरोनॉटिकल टेस्टिंग रेंज चल्लकेरे में पुन: प्रयोज्य प्रक्षेपण यान पुष्पक के डाउनस्केल्ड संस्करण का उपयोग करके दो लैंडिंग प्रयोग किये।

इन परीक्षणों में अंतरिक्ष लैंडिंग स्थितियों का अनुकरण किया गया, जिसमें लैंडिंग प्रदर्शन का आकलन करने के लिये पुष्पक को चिनूक हेलीकॉप्टर से उतारा गया।

SSLV विकास-

अगस्त 2024 में ISRO ने लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (SSLV) की तीसरी और अंतिम विकास उड़ान शुरू की, जिसने EOS-08 और SR-0 डेमोसैट उपग्रहों को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया।

लगातार दो सफल परीक्षण उड़ानों के साथ ISRO ने SSLV के विकास को पूरा किया और इसे उद्योग जगत को हस्तांतरित कर दिया।

निसार मिशन

निसार (NISAR) एक संयुक्त नासा-इसरो पृथ्वी अवलोकन उपग्रह मिशन है, जिसका उद्देश्य पृथ्वी की सतह में होने वाले परिवर्तनों, प्राकृतिक खतरों, जलवायु पैटर्न और गतिशील पारिस्थितिक तंत्र का अध्ययन करना है।

- **निजी अंतरिक्ष मिशन-**

मार्च 2024 में अग्निकुल कॉसमॉस ने अपने SoRTeD-01 वाहन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया, जो भारत से अपने पहले चरण के रूप में अर्द्ध-क्रायोजेनिक इंजन द्वारा संचालित वाहन का पहला प्रक्षेपण था।

स्काईरूट एयरोस्पेस अपने विक्रम 1 लॉन्च वाहन की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

ध्रुव स्पेस और बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस ने जनवरी 2024 में PSLV-C58 मिशन के चौथे चरण पर अपने पेलोड के लिये परिक्रमा मंच के रूप में प्रयोग किये।

उड़ान™ HEAD OFFICE

शिक्षक भर्ती परीक्षा

वर्ग-1 (व्याख्याता) की तैयारी

OFFLINE+ONLINE(LIVE)+RECORDED

विषय - हिन्दी एवं संस्कृत

अवधि 6 महीने

1 सितंबर से आरंभ

समय - सुबह 11:00 बजे से
02:00 बजे तक

इस बैच की विशेषताएं

- संपूर्ण पाठ्यक्रम का कवरेज
- अनुभवी शिक्षकों के द्वारा तैयारी
- प्रत्येक क्लास का Recorded Video एवं pdf उपलब्ध

सुधीर सर
हिन्दी

अन्नू मैम
संस्कृत

UdaanIAS Administrative Academy
UPSC | CGPSC | CGVYAPAM

हेड ऑफिस - लोकायन भवन, एकात्म परिसर के पास,दैनिक भास्कर प्रेस रोड, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.)

संपर्क :- 0771-4028879, 0771-4337979, 9301939388, 9617702861/62

ज्ञान HEAD OFFICE

शिक्षक भर्ती परीक्षा

वर्ग-1 (व्याख्याता) की तैयारी

ONLINE(LIVE)+RECORDED

विषय - ENGLISH

अवधि 6 महीने

1 सितंबर से आरंभ

समय - सुबह 11:00 बजे से 02:00 बजे तक

इस बैच की विशेषताएं

- संपूर्ण पाठ्यक्रम का कवरेज
- अनुभवी शिक्षकों के द्वारा तैयारी
- प्रत्येक क्लास का Recorded Video एवं pdf उपलब्ध

शशिभूषण सर -ENGLISH

Udaan IAS Administrative Academy UPSC | CGPSC | CGVYAPAM

हेड ऑफिस - लोकायन भवन, एकात्म परिसर के पास,दैनिक भास्कर प्रेस रोड, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.)

संपर्क :- 0771-4028879, 0771-4337979, 9301939388, 9617702861/62

उड़ान HEAD OFFICE

शिक्षक भर्ती परीक्षा

वर्ग-1 (व्याख्याता) की तैयारी

OFFLINE+ONLINE(LIVE)+RECORDED

विषय - जीव विज्ञान

अवधि 6 महीने

1 सितंबर से आरंभ

समय - सुबह 11:00 बजे से 02:00 बजे तक

इस बैच की विशेषताएं

- संपूर्ण पाठ्यक्रम का कवरेज
- अनुभवी शिक्षकों के द्वारा तैयारी
- प्रत्येक क्लास का Recorded Video एवं pdf उपलब्ध

अनिश सर - जीव विज्ञान

UdaanIAS Administrative Academy UPSC | CGPSC | CGVYAPAM

हेड ऑफिस - लोकायन भवन, एकात्म परिसर के पास,दैनिक भास्कर प्रेस रोड, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.)

संपर्क :- 0771-4028879, 0771-4337979, 9301939388, 9617702861/62